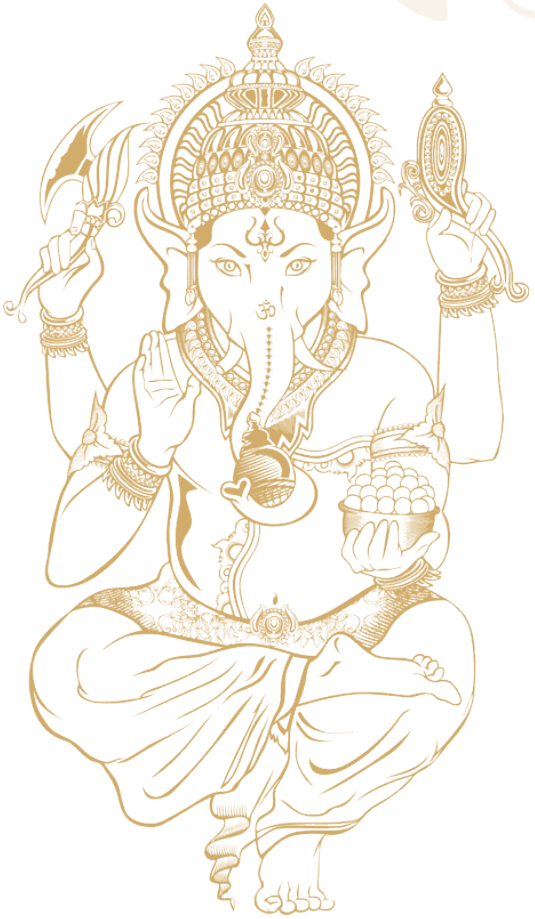

Sparsh Gugnani

23 Oct 2014

03:27 AM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 120919706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/10/2014**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:27:00 घंटे**
इष्ट	52:21:32 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:02:56 घंटे
वेलान्तर	00:15:31 घंटे
साम्पातिक काल	05:07:56 घंटे
सूर्योदय	06:30:23 घंटे
सूर्यास्त	17:46:31 घंटे
दिनमान	11:16:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:21:15 तुला
लग्न के अंश	24:34:51 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:34:51	314:18:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			तुला	05:21:15	00:59:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			कन्या	23:46:05	12:28:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
मंगल			धनु	03:20:09	00:44:01	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध	व		कन्या	23:28:59	00:32:34	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	स्वराशि
गुरु			कर्क	25:14:15	00:07:58	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	04:44:19	01:15:10	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	28:46:02	00:06:46	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			कन्या	25:14:25	00:00:04	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	25:14:25	00:00:04	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	19:50:56	00:02:19	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	10:53:49	00:00:47	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	17:09:32	00:00:54	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	23:57:40	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:54

लग्न-चलित

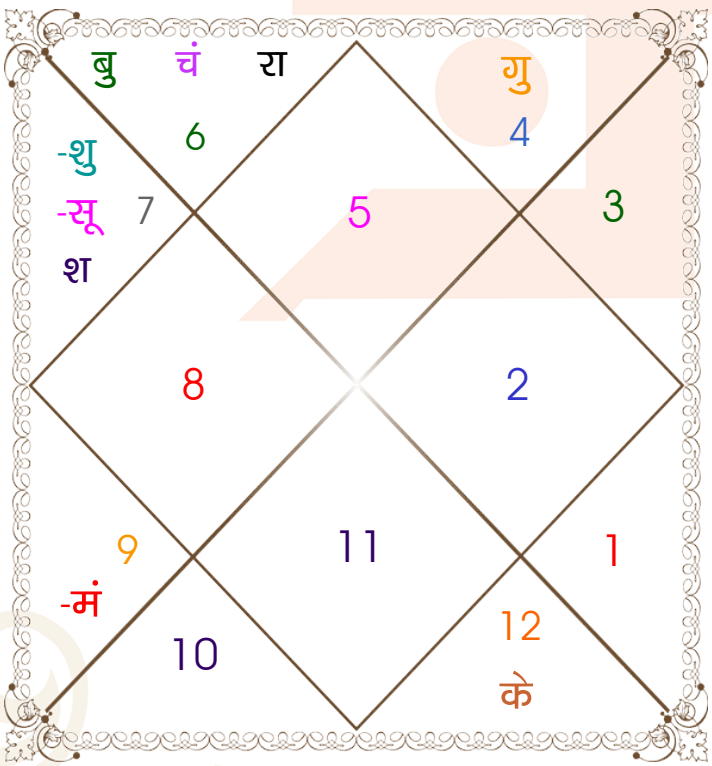

चन्द्र कुंडली

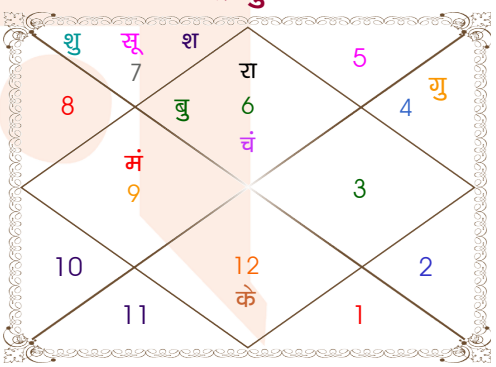

नवमांश कुंडली

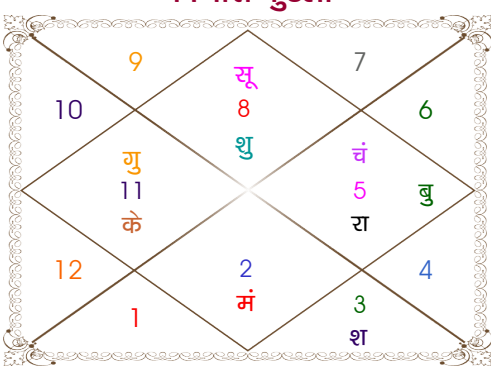

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 9 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/10/2014		31/07/2021		01/08/2039		01/08/2055		31/07/2074	
31/07/2021		01/08/2039		01/08/2055		31/07/2074		01/08/2091	
मंगल	27/12/2014	राहु	12/04/2024	गुरु	18/09/2041	शनि	03/08/2058	बुध	27/12/2076
राहु	15/01/2016	गुरु	06/09/2026	शनि	31/03/2044	बुध	12/04/2061	केतु	24/12/2077
गुरु	21/12/2016	शनि	13/07/2029	बुध	07/07/2046	केतु	22/05/2062	शुक्र	24/10/2080
शनि	30/01/2018	बुध	30/01/2032	केतु	13/06/2047	शुक्र	22/07/2065	सूर्य	30/08/2081
बुध	27/01/2019	केतु	17/02/2033	शुक्र	11/02/2050	सूर्य	04/07/2066	चंद्र	30/01/2083
केतु	25/06/2019	शुक्र	17/02/2036	सूर्य	30/11/2050	चंद्र	02/02/2068	मंगल	27/01/2084
शुक्र	24/08/2020	सूर्य	11/01/2037	चंद्र	31/03/2052	मंगल	13/03/2069	राहु	15/08/2086
सूर्य	30/12/2020	चंद्र	13/07/2038	मंगल	07/03/2053	राहु	18/01/2072	गुरु	20/11/2088
चंद्र	31/07/2021	मंगल	01/08/2039	राहु	01/08/2055	गुरु	31/07/2074	शनि	01/08/2091

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/08/2091		31/07/2098		01/08/2118		01/08/2124		01/08/2134	
31/07/2098		01/08/2118		01/08/2124		01/08/2134		00/00/0000	
केतु	28/12/2091	शुक्र	01/12/2101	सूर्य	19/11/2118	चंद्र	01/06/2125	मंगल	24/10/2134
शुक्र	26/02/2093	सूर्य	01/12/2102	चंद्र	20/05/2119	मंगल	31/12/2125		00/00/0000
सूर्य	04/07/2093	चंद्र	01/08/2104	मंगल	25/09/2119	राहु	02/07/2127		00/00/0000
चंद्र	02/02/2094	मंगल	01/10/2105	राहु	19/08/2120	गुरु	31/10/2128		00/00/0000
मंगल	01/07/2094	राहु	01/10/2108	गुरु	07/06/2121	शनि	01/06/2130		00/00/0000
राहु	19/07/2095	गुरु	02/06/2111	शनि	20/05/2122	बुध	01/11/2131		00/00/0000
गुरु	24/06/2096	शनि	01/08/2114	बुध	27/03/2123	केतु	01/06/2132		00/00/0000
शनि	03/08/2097	बुध	01/06/2117	केतु	02/08/2123	शुक्र	31/01/2134		00/00/0000
बुध	31/07/2098	केतु	01/08/2118	शुक्र	01/08/2124	सूर्य	01/08/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 9 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।